

# राजस्थानी गीतों और कविताओं से लोक जीवन की महक को स्वर दिया

**बीकानेर,** (कासं)। ‘जन-मन काव्य यात्रा’ का दूसरा पड़ाव स्व. मुरलीधर व्यास राजस्थानी को समर्पित रहा। शरद पूर्णिमा से एक रात पहले धवल चांदनी के बीच सजे इस आयोजन में कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि श्रोता  देर रात तक कविताओं के रंग में डूबे रहे।

दशकों बाद बीकानेर में कवि सम्मेलन आधी  रात करीब 12 बजे तक चला और हर प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों और  दाद के साथ रचनाकारों का उत्साह बढ़ाया। रोटरी क्लब ऑफ बीकानेर रॉयल्स एवं प्रसार के संयुक्त  तत्वावधान में आयोजित एक वर्षीय काव्य यात्रा का यह पड़ाव राजस्थानी भाषा के मूर्धन्य साहित्यकार  स्व. मुरलीधर व्यास राजस्थानी को समर्पित रहा। काव्य संंध्या का आगाज रिडिंका व्यास ने मां को समर्पित रचना की प्रस्तुति से किया। विप्लव व्यास, आनंद मस्ताना और संजय आचार्य ने राजस्थानी गीतों और कविताओं के माध्यम से लोक जीवन, संवेदना और अपनी माटी की महक को स्वर दिया। इरशाद अजीज ने आपसी प्रेम और भाईचारे  को केन्द्र में रखकर अपनी रचना  प्रस्तुत की। वहीं मोनिका गौड़ एवं मनीषा अभी सोनी ने



**बीकानेर में कीकाणी व्यासों के चौक में आधी रात तक कविता और गीतों के स्वर ने ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर रात तक कविताओं के रंग में डूबे रहे।**

हिन्दी के मधुर गीतों से श्रोताओं को भावविभोर किया। पारंपरिक पाटों पर बैठे रचनाकार, चौक में एकाग्र होकर रचनाएं सुनते श्रोता और शरद पूर्णिमा से पहले की चांदनी में गुंजते काव्य स्वर इस वातावरण ने आयोजन को बीकानेर की पारंपरिक साहित्यिक बैठकों की यादों से जोड़ दिया। कार्यक्रम संयोजक और प्रसार के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हरिशंकर

आचार्य ने बताया कि बीकानेर की मंचीय काव्य परंपरा को पुनर्जीवित करने और साहित्य को आमजन के बीच ले जाने के उद्देश्य से ‘जन-मन काव्य यात्रा’ शुरू की गई है। सितम्बर 2026 से अगस्त 2027 तक चलने वाली इस श्रृंखला के तहत  प्रत्येक माह शहर के ऐसे मोहल्ले या चौक में काव्य सम्मेलन आयोजित किया जायेगा, जहां पाठ और

चौक संस्कृति आज भी सामाजिक जीवन का हिस्सा है। उन्होंने बताया  कि प्रत्येक आयोजन संबंधित क्षेत्र के दिवंगत मूर्धन्य साहित्यकार को समर्पित रहेगा और कार्यक्रम की अध्यक्षता भी उसी क्षेत्र के किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति से करवाई जायेगी। इस पहल के माध्यम से बीकानेर की साहित्यिक विरासत को सम्मान देने के साथ नई पीढ़ी को अपनी

## हनुमानगढ़ जेल में हमले में तीन विचाराधीन कैदी गंभीर घायल

**हनुमानगढ़,** (कासं)। जिला जेल के बैरिक नंबर 8 में बंदियों ने विचाराधीन कैदियों  पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन विचाराधीन कैदी गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों में रोहिताश पुत्र नेकीराम, रवि पुत्र दयाराम और विजेन्द्र पुत्र रूलीचंद शामिल हैं। हमला करने वाले बंदियों की पहचान विशाल उर्फ भईया, रोशन, राज मोहम्मद, इमामबक्श, हाकम, छोटू खां और नियामत अली के रूप में हुई है। जेल अधीक्षक सुरेश कुमार ने पुलिस को बताया कि झगड़े की सीसीटीवी फुटेज भी मौजूद है। घायलों को पहले जेल अस्पताल में शुरूआती इलाज दिया गया फिर पुलिस सुरक्षा में हनुमानगढ़ टाउन  के सरकारी अस्पताल भेजा गया।

जेल प्रहरी हनुमान सिंह की रिपोर्ट  पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 115(2), 126(2) और 189(2) के तहत केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक लालचंद कर रहे हैं।

- ‘जन-मन काव्य यात्रा’ का दूसरा पड़ाव स्व. मुरलीधर व्यास राजस्थानी को समर्पित रहा
- शरद पूर्णिमा से एक रात पहले सजी साहित्यिक महफिल

भाषा, संस्कृति और रचनात्मक परंपरा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मांगीलाल व्यास ने कहा कि नए लेखकों और रचनाकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा यह आयोजन सराहनीय है। ऐसे कार्यक्रम साहित्य  को सभागारों तक सीमित रखने के बजाय आमजन के बीच ले जाते हैं। इससे नए रचनाकारों को मंच मिलता है और शहर की सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिलता है। इस अवसर पर वरिष्ठ कवि एवं कथाकार राजेन्द्र जोशी, डॉ. गौरीशंकर प्रजापत, डॉ. नमामी शंकर आचार्य, हरीश बी. शर्मा, गोपाल व्यास सहित साहित्य एवं संस्कृति से जुड़े अनेक लोग उपस्थित रहे।

## 7 5 साल के सुभाष गोदारा 2 1 किमी. दौड़े

**श्रीरंगानगर,** (कासं)। श्रीगंगानगर शहर के 100 वें स्थापना वर्ष के अवसर पर रविवार को आयोजित ‘गंगानगर  मेराथन 2026’ में करीब 10 हजार लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया।

फिफ गंगानगर सोसायटी की ओर से आयोजित मैराथन में 21, 10 और 5 किलोमीटर  की दौड़ के साथ फन रन भी आयोजित की गई। इसमें युवाओं के साथ बुजुर्गों ने भी हिस्सा लिया। 75 वर्षीय सुभाष गोदारा ने 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। वहीं जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव और पुलिस अधीक्षक हरिशंकर ने अपनी-अपनी बेटियों का हाथ थामकर दौड़ लगाई।

रविवार सुबह पुलिस लाइन में प्रतिभागियों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। विभिन्न श्रेणियों में दौड़ने के लिए रिपोर्टिंग के बाद संगीत की धुनों के बीच वार्मअप कराया गया। इसके बाद पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, चंडीगढ़ के न्यायाधीश हरमती सिंह देशोल, मेजर जरनल अनुज कालिया (वीएसएम, जीओसी), बीकानेर रंज के आईजी

## योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया

बीकानेर, (कासं)। वृंदावन पार्क, ब्यास कॉलोनी में महिला पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में महिला पतंजलि योग समिति की राज्य प्रभारी डॉ. सरिता गुर्जर के एक दिवसीय बीकानेर प्रवास के साथ योग शिविर में महिलाओं को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। डॉ. सरिता गुर्जर ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास को स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। उन्होंने महिलाओं को योग एवं प्राणायाम के माध्यम से शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शांति बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

शिविर में महिलाओं  ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया। इस दौरान  योग  को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने तथा समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में राज्य सोशल मिडिया प्रभारी सुनीता गुर्जर, जिला प्रभारी उषा शर्मा, संरक्षिका अर्जता सुबोध बाला, कल्ला, इन्द्रा, ऋतु, विमला, सरिता, इंदु गौड़, सरला अग्रवाल, सुनीता , मैना, रचना, उषा, संतोष, करुणा, सुनीता चौधरी, मधुरिमा सिंह, सुनीता मोदी, कविता, मौनु, नीलम आदि मौजूद थीं।

- श्रीगंगानगर के 100 वें स्थापना दिवस पर दस हजार लोग एक साथ दौड़े
- कलेक्टर और एसपी ने बेटियों का हाथ थामकर दौड़ लगाई

ओमप्रकाश,  श्रीगंगानगर  जिला कलेक्टर  डॉ. अमित यादव, हनुमानगढ़  कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव, पुलिस अधीक्षक हरिशंकर और जिला परिषद के सीईओ अभिषेक जैन ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। सबसे पहले 21 किलोमीटर, इसके बाद 10 और 5 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की गई।

पुलिस लाइन से निर्धारित मार्ग पर रवाना हुए प्रतिभागियों के लिए रास्ते में जगह-जगह पानी, चिकित्सा और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई। यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए भी इंतजाम किए गए।

## ‘चाइनीज लाइटों की बजाय मिट्टी के दीये खरीदे’



**बीकानेर,** (कासं)। बीकानेर सर्व समाज मित्र एकता सेवा समिति द्वारा रविवार को शाम को कोटगेट, सार्दूल सर्किल एवं पब्लिक पार्क तीन गेट स्थित बीकानेर के मूल कुम्हार समाज परिवारों द्वारा फुटपाथों पर दीपावली के पर्व पर लगाई गई दुकानों से मिट्टी के दीयों की खरीदारी करते संस्था संरक्षक एवं सखा संगम अध्यक्ष एन. डी. रंगा  ने बीकानेर वासियों से अपील करते हुए कहा कि चाइनीज लाइटों या प्लास्टिक की झालरों के बजाय मिट्टी के दीयों का उपयोग करें। क्योंकि हमारी सांस्कृतिक परंपरा को बनाए रखने और पर्यावरण  के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल पाहुजा ने कहा कि आज कोटगेट अन्य स्थानों के पास मातृ शक्ति द्वारा हाथों से बने दीपक, करवा चौथ कलश, कलात्मक कलात्मक कार्य से बनाए हुए इनकी खरीददारी दीवाली त्यौहार पर करें। कुम्हार परिवारों को सहयोग करें आपके द्वारा खरीदे गए हर एक मिट्टी के दीये से किसी गरीब कुम्हार के घर में भी दिवाली की खुशियां आती हैं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष रामकिशन महाराज उपाध्याय कोलासर ,ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व के अवसर पर दीपक मिट्टी से बने हुए लेवें। वरिष्ठ उपाध्यक्ष एन. डी. कादरी, सचिव सैय्यद अख्तर, के . कुमार. आहूजा, हरीश कुमार शर्मा, शाकिर  हुसैन, महेश पांडे सहित सभी ने बीकानेर वासियों से मिट्टी से बने दीपक और अन्य आइटम खरीदने की अपील की है।

**जैदी, सोनी व पुनीत रंगा को राजरतन सम्मान से नवाजा**



**बीकानेर,** (कासं)। साहित्य, संगीत, संस्कृति, चिकित्सा एवं समाजसेवा के लिए संकल्पित संस्थान प्रेरणा प्रतिष्ठान बीकानेर द्वारा प्रख्यात शायर एवं युवा पत्रकार डॉ. नासिर जैदी, युवा संगीतकार गौरीशंकर सोनी तथा युवा साहित्यकार पुनीत कुमार रंगा को राजरतन सम्मान से नवाजा गया। सुदर्शन कुमार कला दीर्घा, नागरी भण्डार में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित जनों को पुष्पहार, शॉल, श्रौफल, सम्मान पत्र, पुस्तक अर्पित कर उनकी सामाजिक सेवाओं को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवि कथाकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि सम्मानित विभूतियों ने देश प्रदेश में नगर का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि समाज की विभूतियों का सम्मान गौरवमयी परंपरा की विशेषता है। कार्यक्रम अध्यक्ष व्यंग्यकार डॉ. अजय जोशी ने कहा कि समाज की सकारात्मक प्रवृत्तियों को आगे बढ़ाना आज की आवश्यकता है। प्रेरणा  प्रतिष्ठान द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभाओं को प्रेरित करने का प्रयास अनुकरणीय है। विशिष्ट अतिथि विरिष्ठ लेखक अशफाक कादरी ने कहा कि साहित्य, संगीत, संस्कृति, चिकित्सा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सेवाओं के साथ प्रेरणा प्रतिष्ठान  द्वारा युवाओं को सम्मानित करना समाज में सकारात्मक संदेश है। प्रेरणा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रेमानुरागण व्यास ने संस्था प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि गत चार दशकों से संस्थान द्वारा साहित्य, संगीत, नाटक, संस्कृति, चिकित्सा समाजसेवा के क्षेत्र में अमर कीर्ति शिखर सम्मान, राजरतन सम्मान, सुंदर सुरभि सहित विभिन्न सम्मान 100 से अधिक विभूतियों को सम्मानित करने का गौरव प्राप्त किया है।

### चानणा धाम में भक्तों की भीड़ उमड़ी

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के सिद्धपीठ जय श्री हनुमान चानणा धाम में रविवार को 56वें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बालाजी महाराज के दर्शन करने के लिए श्रीगंगानगर जिले के अलावा पंजाब और हरियाणा से भी हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु हाथों में ध्वजा लेकर जय श्रीराम और जय बालाजी महाराज के जयकारे लगाते हुए पैदल धाम की ओर आ रहे हैं। डीजे की धुन पर नाचते-गाते श्रद्धालुओं के जल्यों से हाईवे धक्कामचक्का हो रहा है। चानणा धाम जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा के लिए चूनावढ़ क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सेवा समितियों की ओर से भंडारे लगाये गए हैं। चूनावढ़ कोठी, गैस एजेंसी के पास, 33 जीजी, 34 जीजी और 35 जीजी पुलिसा, जोधेवाला के मुख्य द्वार, चुडुवाला पुलिसा तथा 3 एनएन सहित आसपास के क्षेत्रों में सेवादार श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हैं। भंडारों में दाल-रोटी, फल, चाय-नास्ता, ब्रेड पकोड़े, खीर, पूड़ी-छोले, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक और जलेबी सहित विभिन्न खाद्य सामग्री वितरित की जा रही है। सेवादार पैदल यात्रियों को भोजन और जलपान उपलब्ध करवाकर उनकी यात्रा को सुगम बनाने में सहयोग कर रहे हैं। चानणा धाम की स्थापना 2 अक्टूबर 1971 को ब्रह्मलीन भक्त  शिरोमणि महंत रामस्वरूप बागडिया ने श्री बालाजी महाराज की आज्ञा से की थी। महंतजी ने मंत्रोच्चार के साथ मात्र पांच ईंटें रखकर मंदिर  की नींव रखी थी। इसके बाद यहाँ श्रद्धालुओं की अर्जी लगाने की परंपरा शुरू हुई। समय के साथ धाम की प्रसिद्धि बढ़ती गई। और आज यह पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। वर्ष 1982 में मंदिर परिसर में प्रज्वलित की गई अखंड ज्योति आज भी निरंतर प्रज्वलित है।

# नवपद ओली के सातवें दिन सम्यग्ज्ञान पद की आराधना

**बीकानेर,** (कासं)। रंगड़ी चौक स्थित पौषधशाला में तपागच्छीय गच्छाधिपति पद्मश्री आचार्य श्रीमद विजय नित्यानंद सूरिस्वर महाराज साहेब की आज्ञानुवर्तिनी साच्चीश्री प्रीतिरत्ना, साच्चीश्री प्रीतिसुधा एवं साच्चीश्री प्रीतियुष्मा महाराज सा. आदि ठाणा-3 की पावन निश्रा में चल रही नौ दिवसीय नवपद ओली आराधना के सातवें दिन सिद्धचक्र यंत्र के सातवें पद सम्यग्ज्ञान की आराधना की गई। इस अवसर  पर साच्चीश्री प्रीतिसुधाजी महाराजसा ने प्रवचन में सम्यग्ज्ञान का महत्व समझाते हुए कहा कि जिनकाणी के अनुरूप तत्वों के यथार्थ स्वरूप का बोध कराने वाला ज्ञान ही सम्यग्ज्ञान है। ज्ञानार्जन के लिए जिज्ञासा, निरंतर स्वाध्याय, मनन और पुरुषार्थ आवश्यक हैं। केवल ज्ञान की चर्चा करना  पर्याप्त नहीं  बल्कि ज्ञान पर चिंतन कर उसे जीवन में उतारना भी जरूरी है। साच्चीश्री ने कहा कि जैन आचार्य भगवंतों ने गहन अध्ययन, स्वाध्याय, मनन और साधना के माध्यम से तत्वज्ञान प्राप्त किया तथा आगमों की टीकाओं और धर्मग्रंथों के माध्यम से ज्ञान को जन सामान्य तक पहुंचाया। उनके ज्ञानार्जन और पुरुषार्थ का लाभ आज भी समाज को मिल रहा है। ज्ञान के प्रति ऐसी जिज्ञासा होनी चाहिए कि उसके लिए समय और श्रम लगाने में संकोच न हो। ज्ञान का उद्देश्य केवल विद्वता प्राप्त करना नहीं बल्कि विवेक जागृत करके, मिथ्यात्व से दूर होना और  आत्म कल्याण के मार्ग को समझना भी है। प्रवचन में साच्चीश्री ने अनर्थ रक्षित पुनि से जुड़ी जैन परंपरा में वर्णित कथा का उल्लेख किया।

# हर बुखार का कारण संक्रमण नहीं होता : तंवर

**बीकानेर,** (कासं)। बच्चों में बुखार आते ही अवसर संक्रमण की आशंका के कारण एंटीबायोटिक दवाएं शुरू कर दी जाती हैं, लेकिन हर बुखार का कारण बैक्टीरिया  या वायरस नहीं होता।

डॉ. तंवर ने  बताया गया कि एंटीबायोटिक दवाएं बैक्टीरिया से होने वाले संक्रमण में उपयोगी होती हैं। जबकि वायरस के विरुद्ध इनका सामान्यतः लाभ नहीं होता। जब बुखार का कारण कोई गैर-संक्रामक बीमारी हो, तो केवल बार-बार एंटीबायोटिक बदलने से मूल समस्या का समाधान नहीं  होता। कई बार  बुखार के पीछे शरीर  की प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी बीमारियां, गठिया  एवं अन्य सूजन संबंधी रोग, रक्त और अस्थि मज्जा की बीमारियां तथा दवाओं से होने वाली एलर्जी भी जिम्मेदार हो सकती हैं।

# नोहर में 40 किलो मिठाई एवं मधुबन ब्रांड का अनसेफ 9 0 लीटर घी नष्ट करवाया

**हनुमानगढ़,** (कासं)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल  यादव एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा के निदेशन में नोहर में खाद्य सुरक्षा दल ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए। इस दौरान 40 किलो मिठाई और ग्लूकोज लिक्विड को मौके पर ही नष्ट करवाया गया। वहीं जांच में अनसेफ पाये गए मधुबन ब्रांड का 90 लीटर घी भी नष्ट करवाया गया।

दीपावली के त्योहार पर आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के  उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से खाद्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण और सैम्पलिंग की कार्रवाई लगातार की जा रही है। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा दल ने नोहर स्थित मैसर्स जीण माता भोजनालय से सब्जी, मैसर्स स्वामी मिष्ठान भंडार से मिल्क केक एवं रसगुल्ला, मैसर्स



**नोहर में खाद्य सुरक्षा दल की टीम ने मैसर्स श्री हरि स्वीट्स से मावा  एवं काजू कतली तथा मैसर्स कृष्णा एजेंसी से गाय के घी, मावा के नमूने लिए।**

श्री हरि स्वीट्स से मावा  एवं काजू कतली तथा मैसर्स कृष्णा एजेंसी से गाय के घी,

मावा एवं मावा मिठाई के नमूने संग्रहित किए। इसके अलावा  मैसर्स पारीक

स्वीट्स से मावा मिठाई का नमूना लिया गया। मैसर्स स्वामी मिष्ठान भंडार

- खाद्य पदार्थों के संग्रहित नमूनों को जांच के लिए बीकानेर स्थित जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भेजा गया

से 40 किलो मिठाई एवं ग्लूकोज लिक्विड मौके पर ही नष्ट करवाया गया। डॉ. शर्मा ने बताया कि गत दिवस जांच में मधुबन ब्रांड का घी अनसेफ पाया गया था। इसके बाद मैसर्स मुकेश एंड संस के पास से मधुबन ब्रांड का 90 लीटर घी मिला, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य पदार्थों की संग्रहित नमूनों को जांच के लिए बीकानेर  स्थित जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला  में भेजा  गया है। जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी।